Literacy for a Billion

Movie: Amar Prem
Year: 1972

Song: Chingari Koi Bhadke
Lyricist: Anand Bakshi

हूँ चिंगारी कोई भड़के
चिंगारी कोई भड़के
तो सावन उसे बुझाए
सावन जो अगन लगाए
उसे कौन बुझाए
हो उसे कौन बुझाए

पतझड़ जो बाग़ उजाड़े
वो बाग़ बहार खिलाए
जो बाग़ बहार में उजड़े
उसे कौन खिलाए
हो उसे कौन खिलाए

हमसे मत पूछो कैसे
मंदिर टूटा सपनों का
हमसे मत पूछो कैसे
मंदिर टूटा सपनों का
लोगों की बात नहीं है
ये क़िस्सा है अपनों का
कोई दुश्मन ठेस लगाए
तो मीत जिया बहलाए
मनमीत जो घाव लगाए
उसे कौन मिटाए
ना जाने क्या हो जाता

जाने हम क्या कर जाते
ना जाने क्या हो जाता
जाने हम क्या कर जाते
पीते हैं तो ज़िन्दा हैं
ना पीते तो मर जाते
दुनिया जो प्यासा रखे
तो मदिरा प्यास बुझाए
मदिरा जो प्यास लगाए
उसे कौन बुझाए
हो उसे कौन बुझाए

माना तूफ़ाँ के आगे
नहीं चलता ज़ोर किसी का
माना तूफ़ाँ के आगे
नहीं चलता ज़ोर किसीका
मौजों का दोष नहीं है
ये दोष है और किसीका
मँझधार में नैया डोले तो
माँझी पार लगाए
माँझी जो नाव डुबोए
उसे कौन बचाए
हो उसे कौन बचाए

चिंगारी ... हूँ ...

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.